

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	फाल्गुन 07, सोमवार, शके 1945-फरवरी 26, 2024 <i>Phalguna 07 Monday, Saka 1945- February 26, 2024</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज़ायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, जनवरी 30, 2024

संख्या प. 2(45)वन/2023 :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन-भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा उनके किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन-भूमि तथा बंजर भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29 उप धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा अथवा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार के लेखबद्व नहीं किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में अथवा उन पर सरकारी या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्व किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है,

इसलिये अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 (1953 की एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट आफिसर/असिस्टेन्ट फोरेस्ट सेटलमेंट आफिसर को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में या उन पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्व करने हेतु नियुक्त करती है, तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली से किया जायेगा जैसाकि उक्त एक्ट की धारा 6,7,8,10,11 (1) 12,13,14,17 तथा 19 में प्रवाहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन-भूमि और बंजर-भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है, परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनु सूची में अंकित किये गये हैं, राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) हैं और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उनसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया

जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,

विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

प्रथम अनुसूची							
क्र.स.	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा विवरण	नाम ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल हैक्टर मे
1	राजपुरा (एफ.सी.ए.- पी.एच.ई. डी. 315 एवं बूंदी-सिलोर- गरडा-भोपतपुरा सडक)	आसीन्द	भीलवाडा	उत्तर- आराजी नं. 1192/1186	राजपुरा	1189/1 186	2.0467 10.68
				पूर्व-सीमा ग्राम रतनपुरा		1191/1 190	
				पश्चिम-आराजी नं. 875 एवं 1016/874			
				दक्षिण-वनखण्ड राजपुरा (एफ.सी.ए.छतरी खेड़ा लोरदा) आराजी नं. 1185/874			
वनखण्ड का योग						किता-2	12.7267

क्षेत्रीय वन अधिकारी
आसीन्द (मु. बदनोर)

उप वन संरक्षक,
भीलवाड़ा

वनखण्ड राजपुरा
(एफ.सी.ए.-पी.एच.ई. डी. 315 एवं बूंदी-सिलोर-गरडा-भोपतपुरा सडक)
द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

क्र.सं.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी नाम
1	Acacia Leucophloea	रोंझ
2	Acacia nilotica	देशी बबूल
3	Azadirachta indica.	नीम
4	Dalbergia sissoo, Roxb	शीशम
5	Zizyphus nummularia	झड़ बेरी

क्षेत्रीय वन अधिकारी
आसीन्द (मु. बदनोर)

उप वन संरक्षक,
भीलवाड़ा

परिशिष्ट - क

प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक द्वारा प्रमाण पत्र
(जो लागू नहीं होता है उसे काट दें)

वनखण्ड राजपुरा (एफ.सी.ए.-पी.एच.ई. डी. 315 एवं बूंदी-सिलोर-गरडा-भोपतपुरा सडक)

रेंज - आसीन्द

वन मंडल - भीलवाड़ा

- 1- संलग्न प्रारूप में दर्शायी गई भूमि का वर्गीकरण बंजड़ है जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 7 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।
- 2- वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग के दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य करवाया गया है। इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है।
- 3- वर्तमान में कुछ क्षेत्रों में क्रमशः 1996-97 प्लांटेशन एवं अन्य विकास कार्य वर्ष 1996 से 97 में कराये गये हैं। इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुए हैं। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
- 4- भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों में 0.2 से 0.3 है तथा कुछ क्षेत्रों में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों रोंझ झड़ बेरी बबूल का लगभग प्रतिशत 30 क्रमशः है तथा कुछ क्षेत्रों में घनत्व नगण्य है।
- 5- समीपवर्ती स्थित क्षेत्र लैंड बैंक हेतु आरक्षित बंजर एवं वनभूमि है तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।
- 6- वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न हैं एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप हैं। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है।
- 7- प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथाविधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है।
- 8- उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी
आसीन्द (मु. बदनोर)

उप वन संरक्षक,
भीलवाड़ा

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।